डॉ. मुखर्जी ने... पेज 2

आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com | Digital Edition | www.liveworldnews.in

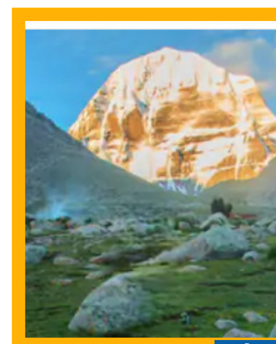

भारत से कैलाश... पेज 3

वर्षः 10 | अंकः 359 | जयपुर, गुरुवार 09 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

निकाय-पंचायत चुनाव पर सरकार की तैयारी पूरीः यूडीएच मंत्री

फैसला निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग के हाथ में, कांग्रेस पर साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान में लंबे समय से लंबित नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर सियासत एक बार फिर तेज हो गई है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने साफ किया है कि राज्य सरकार अपने स्तर पर चुनाव से जुड़ी सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर चुकी है। अब चुनाव कार्यक्रम घोषित करना राज्य निर्वाचन आयोग और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया पर निर्भर है। उन्होंने विपक्ष पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ कांग्रेस चुनाव में देरी का मुद्दा उठा रही है, वहीं दूसरी ओर ओबीसी राजनीतिक आरक्षण भी बनाए रखना चाहती है।

दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 जुलाई तक निकाय और पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं होने पर कांग्रेस नेता संयम लोढ़ा ने अवमानना याचिका दायर की है, जिसमें राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए यूडीएच मंत्री ने कहा कि सरकार ने परिसीमन और पुनर्सीमांकन का कार्य मार्च 2026 में ही पूरा कर दिया था। सरकार के स्तर पर अब कोई लंबित प्रक्रिया नहीं बची है।

चुनाव की चाबी अब निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग के पास

खर्रा ने कहा कि संविधान के अनुसार निकाय और पंचायत चुनाव कराने का अधिकार राज्य निर्वाचन आयोग के पास है। वहीं ओबीसी को राजनीतिक

आरक्षण देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी करना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की जिम्मेदारी है।

ऐसे में चुनाव की अगली प्रक्रिया दोनों आयोगों के बीच समन्वय पर निर्भर करेगी।

ट्रिपल टेस्ट के लिए वैज्ञानिक आंकड़ों पर जोर

यूडीएच मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय निकायों में ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण देने से पहले ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। इसके तहत वास्तविक जनसंख्या, स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग की स्थिति और उनके प्रतिनिधित्व का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग इसी आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इसलिए सरकार चाहती है कि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और कानूनी रूप से मजबूत हो, ताकि भविष्य में चुनाव प्रक्रिया किसी न्यायिक विवाद में न फंसे।

आंकड़ों में विसंगतियों से बढ़ी देरी

खर्रा ने बताया कि आयोग को स्थानीय स्तर से जो आंकड़े प्राप्त हुए थे, उनके सत्यापन के दौरान कई विसंगतियां सामने आई। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान कई सूचनाएं वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती मिलीं। इसी कारण अंतिम रिपोर्ट तैयार करने में अपेक्षा से अधिक समय लग गया। उन्होंने कहा कि अब आयोग को निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द से जल्द फील्ड सत्यापन पूरा कर ट्रिपल टेस्ट के अनुरूप अंतिम रिपोर्ट तैयार करे, ताकि चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ सके। मंत्री ने चुनाव में देरी का एक कारण मानव संसाधनों की कमी को भी बताया। उनके अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), सर्वेक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्य एक साथ चलने से आयोग के सामने कर्मचारियों की उपलब्धता चुनौती बनी रही। इसी कारण रिपोर्ट तैयार करने की गति प्रभावित हुई। झाबर सिंह खर्रा ने कहा–विधानसभा के बजट सत्र में भी यह मुद्दा उठा था। उस समय सरकार ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों से स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि वे चाहते हैं कि ओबीसी राजनीतिक आरक्षण के बिना चुनाव करा दिए जाएं तो वे लिखित में अपनी सहमति दें।सरकार उस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष ने ऐसा कोई लिखित प्रस्ताव नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज वही विपक्ष चुनाव में देरी को मुद्दा बना रहा है, जबकि उस समय उसने स्पष्ट रुख नहीं अपनाया।

पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट तैयार होने पर जल्द होगा चुनाव

यूडीएच मंत्री ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला साल 2022–23 में आया था, जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। अगर कांग्रेस गंभीर होती तो उसी समय राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर सकती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद इस विषय को प्राथमिकता दी गई और आयोग का गठन कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कराई गई। खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को जल्द से जल्द फील्ड वेरिफिकेशन पूरा कर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जैसे ही यह रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को मिलेगी, ओबीसी राजनीतिक आरक्षण पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और उसके बाद निकाय एवं पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

जयपुर में 7 करोड़ का मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन शुरू

घर-घर कलेक्शन से वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट तक पूरी प्रक्रिया होगी मशीन आधारित

जयपुर। जयपुर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारी शुरू की है। शहर के झालाना में करीब 7 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 150 टन प्रतिदिन क्षमता वाले मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का शुभारंभ किया गया है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने विधायक कालीचरण सराफ की मौजूदगी में इसका लोकार्पण किया। इस ट्रांसफर स्टेशन के शुरू होने के साथ ही मालवीय नगर और झालाना क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण से लेकर लांगड़ियावास स्थित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट तक कचरे के परिवहन की प्रक्रिया मशीन आधारित हो जाएगी। इससे कचरा प्रबंधन अधिक व्यवस्थित होगा, बल्कि कर्मचारियों पर निर्भरता भी काफी हद तक कम होगी।

इस मॉडल पर काम करेगा यह स्टेशन

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार- यह ट्रांसफर स्टेशन बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल पर डवलप किया गया है। इससे शहर में ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। वहीं भविष्य में जयपुर के सभी जोन में इसी तरह के मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन डवलप किए जाएंगे। इससे पूरे शहर में वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निस्तारण किया जा सकेगा। झालाना क्षेत्र में पहले से 100 टन प्रतिदिन क्षमता वाला ट्रांसफर स्टेशन संचालित है। अब 150 टन प्रतिदिन क्षमता वाले नए स्टेशन के शुरू होने से यहां कुल कचरा हैंडलिंग क्षमता बढ़कर 250 टन प्रतिदिन हो गई है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि मालवीय नगर, झालाना और आसपास के क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने में यह स्टेशन अहम भूमिका निभाएगा।

आरसीए चुनाव की तैयारी शुरू :जिला क्रिकेट संघों ने पदाधिकारियों की लिस्ट दी

जोशी बोले- एडहॉक कमेटी की चुनाव कराने की मंशा ही नहीं थी

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ में पिछले ढाई साल से अटकी चुनावी प्रक्रिया रफ्तार पकड़ती नजर आ रही है। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा एडहॉक कमेटी को हटाकर प्रशासक नियुक्त किए जाने और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार करने के बाद चुनाव कराने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में सहकारिता रजिस्ट्रार कार्यालय ने प्रदेश के सभी 33 जिला क्रिकेट संघों से उनके वर्तमान पदाधिकारियों की लिस्ट मांगी है, ताकि मतदाता सूची तैयार कर निर्वाचन कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा सके। दरअसल, रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से प्रदेश के सभी जिला क्रिकेट संघों को अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष की जानकारी जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे क्योंकि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में चुनाव लड़ने के लिए जिला संघ का अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष या फिर सचिव होना जरूरी होता है। इसके बाद सभी जिला क्रिकेट संघ ने जिला रजिस्ट्रार के माध्यम से सहकारिता विभाग को अपने जिला क्रिकेट संघ के मौजूदा पदाधिकारियों की लिस्ट सबमिट कर दी है। अब इन पदाधिकारियों की लिस्ट को राजस्थान क्रिकेट संघ के रिकॉर्ड से मिलान करके चुनाव कार्यक्रम जारी किया जाएगा। ऐसे में लंबे समय से लंबित चुनावों के मद्देनजर सरकार का यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पूर्व एडहॉक कमेटी की कार्य प्रणाली पर उठाए सवाल

हालांकि, कई जिला क्रिकेट संघों ने पूर्व एडहॉक कमेटी की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जिला संघों का कहना है कि पिछले ढाई साल के दौरान कई बार सालाना आमसभा (एजीएम) में चुनाव कराने पर सहमति बनी, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उनका आरोप है कि एडहॉक कमेटी की चुनाव कराने में कोई वास्तविक रुचि नहीं थी और इसी वजह से चुनाव लगातार टलते रहे।

चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो

राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव और सीकर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सुभाष जोशी ने कहा कि कई बैठकों में चुनाव कराने पर सहमति बनने के बावजूद उसे अमल में नहीं लाया गया। उनका कहना है कि अगर समय पर चुनाव कराए जाते, तो प्रदेश में क्रिकेट प्रशासन सामान्य रूप से संचालित होता। चुनाव नहीं होने से जिला क्रिकेट संघों में असंतोष बढ़ा और राज्य में क्रिकेट गतिविधियां भी प्रभावित हुई। जोशी ने कहा कि अब न्यायालय के हस्तक्षेप और प्रशासक की निगरानी में चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी होने की उम्मीद है। जिससे लंबे समय बाद आरसीए को निर्वाचित नेतृत्व मिलने का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है। इससे प्रदेश में क्रिकेट प्रशासन को स्थिरता मिलेगी और खिलाड़ियों और जिला संघों के हितों से जुड़े फैसले तेजी से लिए जा सकेंगे। बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल ही में आरसीए की एडहॉक कमेटी को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था और निर्धारित समय सीमा में चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

इसके खिलाफ एडहॉक कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इसके बाद चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की प्रशासनिक कवायद शुरू हो गई है। अब सहकारिता रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा 33 जिला क्रिकेट संघों से पदाधिकारियों की जानकारी मांगे जाने को चुनाव प्रक्रिया का पहला बड़ा औपचारिक कदम माना जा रहा है। अब सभी जिला संघ द्वारा अपनी जानकारी उपलब्ध कराने के बाद जल्द ही मतदाता सूची का प्रकाशन और चुनाव कार्यक्रम जारी होने की संभावना है। ऐसे में लंबे समय से चुनाव का इंतजार कर रहे क्रिकेट प्रशासकों, खिलाड़ियों और जिला क्रिकेट संघों की निगाहें अब आगामी कोर्ट द्वारा लगाए गए प्रशासक भास्कर ए. सावंत के फैसलों पर है।

जहां 8 लोगों की मौत, वहां नहीं रुके केंद्रीय-मंत्री गडकरी

35किमी दूर विधायक ने किया स्वागत, 21 किलो की माला पहनाई

दौसा। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण बस-ट्रेलर अग्निकांड में 8 लोगों की मौत के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण दौरा किया। गडकरी का काफिला सोहना से रतलाम तक निरीक्षण यात्रा पर रहा। हादसे के घटनास्थल का निरीक्षण किए जाने की पूरी संभावना जताई जा रही थी, लेकिन केंद्रीय मंत्री का काफिला घटनास्थल पर नहीं रुका। करीब दो दर्जन गाड़ियों का काफिला तेज रफ्तार से घटनास्थल पार कर गया। इसके बाद करीब 35 किलोमीटर दूर डूंगरपुर इंटरचेंज पर लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने केंद्रीय मंत्री का 21 किलो की माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा व्यवस्थाओं और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा के उद्देश्य से इस निरीक्षण दौरे की घोषणा की गई थी। काफिले में डिप्टी सीएम दीया कुमारी, NHAI के चेयरमैन संतोष कुमार यादव, समेत तकनीकी टीम तथा सड़क परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सरकार ने राहत दी, फिर भी ट्रांसपोर्टर्स नाराज

जयपुर में किया धरना-प्रदर्शन, बोले- अस्थायी परमिट से बढ़ेगा टैक्स और खर्च

जयपुर। राजस्थान में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस को लेकर जारी विवाद के बीच परिवहन विभाग ने ट्रांसपोर्टर्स को अंतरिम राहत देते हुए SOP लागू होने तक अस्थायी परमिट जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय और परिवहन आयुक्त स्तर पर हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। हालांकि ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि यह राहत नहीं, बल्कि नई परेशानी है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को प्रदेशभर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी जयपुर के शहीद स्मारक जुटे और धरना-प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जब तक VLTD की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं होती और सभी वाहन मालिकों को आसानी से डिवाइस उपलब्ध नहीं होती, तब तक अस्थायी परमिट का विकल्प व्यावहारिक नहीं है।

SOP बनने तक अस्थायी परमिट की व्यवस्था

जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश चौधरी ने बताया कि परिवहन विभाग ने **SOP** को मंजूरी मिलने तक अस्थायी परमिट जारी रखने का निर्णय लिया है। **SOP** का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है, जहां से अगले 5 से 6 दिन में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। परिवहन विभाग ने जयपुर में अस्थायी परमिट जारी करने के लिए डीटीओ आदर्श सिंह राघव, अतुल शर्मा और संदीप शर्मा को अधिकृत किया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अंतरिम व्यवस्था के दौरान **TP** से जुड़े चालान निरस्त किए जाएंगे।

ट्रांसपोर्टर्स बोले- इससे खर्च कई गुना बढ़ जाएगा

ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि अस्थायी परमिट का विकल्प लंबी दूरी तक माल ढुलाई करने वाले ट्रकों के लिए व्यवहारिक नहीं है। उनका कहना है कि यदि कोई ट्रक राजस्थान से केरल, चेन्नई, गुवाहाटी या दूसरे राज्यों में जाता है तो उसे हर राज्य का अलग-अलग टैक्स देना पड़ेगा। ऐसे में कई बार टैक्स और परमिट का खर्च ही ट्रक के पूरे भाड़े के बराबर पहुंच जाता है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि इसके अलावा ऑनलाइन टोल और ई-चालान का जोखिम भी बना रहेगा। उनका कहना है कि छोटे और मध्यम ट्रक मालिकों के लिए इतना अतिरिक्त खर्च उठाना संभव नहीं है।

TP नई व्यवस्था नहीं, पहले से मौजूद है'

ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का कहना है कि अस्थायी परमिट कोई नई व्यवस्था नहीं है। इसका उपयोग पहले भी ऐसे मामलों में होता रहा है, जब किसी वाहन को एक बार या सीमित समय के लिए दूसरे राज्य भेजना होता है। उनका कहना है कि रोजाना माल ढुलाई करने वाले नेशनल परमिट वाले ट्रकों के लिए यह व्यवस्था उपयुक्त नहीं है।

आज शहीद स्मारक पर जुटेंगे ट्रांसपोर्टर

विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन समेत विभिन्न ट्रांसपोर्ट संगठनों के आह्वान पर बुधवार को प्रदेशभर से ट्रांसपोर्ट कारोबारी जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना देंगे। संगठनों का कहना है कि हमारी मांग **VLTD** का विरोध करना नहीं, बल्कि इसकी आसान और पारदर्शी व्यवस्था लागू करना है। यदि सरकार ने जल्द स्थायी समाधान नहीं निकाला तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में और तेज किया जाएगा।

पिता के साथ जली तीन बेटों की चिता

अंतिम संस्कार में गांव की हर आंख नम हुई; जयपुर में बेकाबू ट्रेलर के रौंदने से हुई थी मौत

राजसमंद। राजसमंद के जेतपुरा गांव में बुधवार को पिता के साथ 3 बेटों की चिता जली तो गांव में हर किसी की आंखें नम हो गईं। हालात ऐसे थे कि किसी घर में चूल्हा तक नहीं जला। जो भी परिवार को सांत्वना देने पहुंचा, वह खुद अपने आंसू नहीं रोक सका। मंगलवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित 200 फीट चौराहे के पास बेकाबू ट्रेलर ने सड़क किनारे बैठे चंद्रप्रकाश बागरिया (40) और उनके बेटे गोपाल (11), रमेश (10) और दीपक (8) को कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पिता ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी देवी के दोनों पैर कुचले गए। दर्दनाक हादसे के बाद चारों के शव जेतपुरा पहुंचे तो चीख-पुकार मच गई। कोहराम के बीच पूरा गांव परिजनों को संभालने पहुंचा। नम आंखों और भारी मन से लोगों ने चारों को अंतिम विदाई दी। मृतक के बड़े भाई मीठालाल ने बताया- चंद्रप्रकाश जयपुर में झाड़ू बनाने का काम करता था। वह परिवार के साथ वापस राजसमंद लौटने के लिए बस का इंतजार कर रहा था, तभी हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि चंद्रप्रकाश के परिवार में 3 बेटों को खोने का गम है। अब उसके परिवार में एक 17 साल का बेटा दिव्यांग है, जबकि दूसरा 15 साल का है। हादसे से मिले गम को भूल पाना नामुमकिन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी मृतक के बड़े भाई मीठालाल से फोन पर बात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

डॉ मुखर्जी ने भारत की अखंडता और एकात्मता के लिए अपना संपूर्ण जीवन किया समर्पितः मदन राठौड़

पीएम मोदी ने धारा 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा से जोड़ने का किया ऐतिहासिक कार्य– डॉ अलका गुर्जर

भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रनायकों के जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में आयोजित करेगा सम्मेलनः– डॉ राखी राठौड़

डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान ने आयोजित किया छात्रा सम्मेलन

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा राजस्थान की ओर से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर जयपुर के प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में छात्रा–युवती सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में अनेक ऐसे राष्ट्रनायकों का अमूल्य योगदान रहा, जिनके बारे में समाज, विशेषकर युवाओं को पर्याप्त जानकारी नहीं मिल सकी। हमारे इतिहास को सीमित दायरे में प्रस्तुत किए जाने के कारण अनेक महान विभूतियों के त्याग, तप और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से नई पीढ़ी अनभिज्ञ रह गई। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि छात्राओं और युवाओं को ऐसे महापुरुषों के जीवन, विचारों और बलिदान से परिचित कराया जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कश्मीर की पूर्ण एकात्मता के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्रसेवा के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों ने भारत की अखंडता और एकात्मता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। ऐसे आयोजनों के माध्यम से उनके विचारों और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। सम्मेलन की मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद डॉ अलका गुर्जर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, असम, बंगाल और कश्मीर के भारत की एकात्मता में योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने धारा 370 के संदर्भ में उनके संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाकर जम्मू–कश्मीर को विकास और समान अधिकारों की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया गया। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं और बेटियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे सामाजिक और राजनीतिक विषयों की जानकारी रखें, राष्ट्र के इतिहास को समझें तथा देश निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि महिला मोर्चा आने वाले समय में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के छात्रा संवाद एवं युवती सम्मेलन आयोजित करेगा। इससे छात्राओं और युवाओं को राष्ट्रनायकों के जीवन, उनके विचारों, त्याग और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की समग्र जानकारी मिल सके तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना विकसित हो। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री अरुण सिहाग, मूर्ति मीणा एवं प्रदेश पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालयों की छात्राएं एवं स्कूली बालिकाएं उपस्थित रहीं।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमराज गौड़ ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डीग व मुझ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डीग के निर्देशानुसार एक्शन प्लान माह जुलाई 2026 की अनुपालना में दिनांक 08.07.2026 को डीग जिला मुख्यालय समस्त अधिकारीगण एवं समस्त कर्मचारीगण जिला एवं सत्र न्यायालय, डीग व समस्त अभिभाषकग, डीग बार संघ, डीग द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए हेमराज गौड, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, डीग ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे न केवल पौधे लगाएं बल्कि उनके बडे होने तक देखभाल करें और ज्यादा से ज्यादा पेड पौधे लगाऐं।

भोजगढ नर्सरी में दो लाख छप्पन हजार पौधे वितरित करने का लक्ष्य

नर्सरी में विभिन्न प्रकार के पौधे किया जा रहे हैं वितरित..... धर्मवीर मील

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। निकटवर्ती भोजगढ़ नर्सरी में प्रतिवर्ष की भर्ती इस वर्ष भी वर्षा ऋतु की सीजन में वितरित किए जाने वाले पौधों का टारगेट 2,56000 का रहेगा द्य उदयपुरवाटी वन विभाग के रेंजर धर्मवीर मील ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार वर्षा ऋतु की सीजन में भोजगढ़ नर्सरी में 2,56000 पौधे वितरित करने का लक्ष्य है द्य जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधे वितरित किए जाएंगे द्य उदयपुरवाटी वन विभाग के रंजन धर्मवीर मील के अनुसार इस बार 1,80000 पौधे विभागीय व 50,000 पौधे नरेगा योजना में इनके अलावा वन विभाग मैं 26000 पौधे लगाने का लक्ष्य है द्य इस दौरान भोजगढ़ नर्सरी में वनपाल शाहरुख खान, नर्सरी इंचार्ज सुभिता कुमारी, वनरक्षक सुरेश धनखड़, सहायक कर्मचारी मदनलाल सैनी आदि मौजूद रहे।

एडीजी दिनेश एम एन पहुंचे जल महल स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। बुधवार दोपहर एडीजीपी क्राइम दिनेश एम एन विश्व प्रसिद्ध जल महल स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर पहुंचे ।मंदिर महंत ओम प्रकाश शर्मा द्वारा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा विग्रह के बारे में जानकारी दी गई । इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश शर्मा, डीएसपी सीताराम बेरवा, थाना अधिकारी रामनरेश मीणा आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में देश ने सडक विकास में रचा नया इतिहास- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

कोटा/जयपुर। केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एक्सप्रेसवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के हाइवे हैं। दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे जिन क्षेत्रों से होकर गुजर रहा है, उन क्षेत्रों में इससे रोजगार, उद्योग और निवेश को बडावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को कोटा के गोपालपुरा मण्डाना में आमसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में लगभग 1.10 लाख करोड रुपये की लागत से 75 से 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य भी तेजी से प्रगतिरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले दो वर्षों में दिल्ली से मुंबई के नरीमन पॉइंट तथा जवाहरलाल नेहरू पोर्ट तक लगभग 12 घंटे में सडक मार्ग से यात्रा संभव हो जाएगी।

कोटा क्षेत्र को मिली महत्वपूर्ण सडक परियोजनाओं की सौगात

केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि एनएच–52 से मुकुंदरा वाइल्ड लाइड सेंचुरी को बाईपास करते हुए 8–लेन दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से जोडने के लिए लिंक रोड बनाया जाएगा, जिसकी लागत लगभग 550 करोड रुपये होगी। इसके साथ ही उन्होंने कोटा को वाया बालपुरा दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे से जोडने के लिए भी 21 किलोमीटर लंबे चार लेन ग्रीनफील्ड संपर्क मार्ग के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का कार्य आगामी तीन माह के भीतर प्रारंभ करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भवानीमंडी को दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे से जोडने के लिए भी डीपीआर का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोटा से इटावा तक चंबल नदी के समानांतर एक नए एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा, जिसका नया नाम पूर्व प्रस्तावित चंबल एक्सप्रेस हाइवे के स्थान पर अटल एक्सप्रेसवे होगा।

शहरी सेवा शिविर में पूर्व विधायक चौधरी ने वितरित किए पट्टे

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। कस्बे के नगरपालिका कार्यालय में चल रहे शहरी सेवा शिविर में बुधवार को पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी पहुंचे। नायब तहसीलदार नीरज वर्मा, ईओं तौफिक अहमद, सहायक अभियंता सहदेव सब्बल आदि मौजूद रहे द्य स्टाफ के सदस्यों ने पूर्व विधायक का साफा व माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। स्वागत के पश्चात पूर्व विधायक ने शिविर का अवलोकन करते हुए प्रोग्रेस के बारे में जानकारी ली। शिविर प्रभारी रामावतार सैनी ने बताया कि बुधवार कों शिविर में पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, भाजयूमों के पूर्व अध्यक्ष नितेश सैनी, ललित सोनी, किसान नेता धन्नाराम सैनी, भाजपा नेता पवन शाह, पूर्व पंसस सदस्य किशोरीलाल सैनी आदि ने आधा दर्जन पट्टे वितरित किए। शिविर में पट्टे लेने आए लोगों से नगरपालिका व उनके कार्मिकों की कार्यशैली के बारे में पुछताछ करते हुए आमजन के दैनिक कार्य प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए। इस दौरान डॉ.नेहा सैनी, डॉ. जाबीर, मास्टर बनवारीलाल मीणा, पूर्व पार्षद संदीप सोनी, दिनेश सैनी, तेजस छींपा, बाबूलाल ओलखा, राहुल ओला, राजकुमार, शुभम् पारिक, एसआई विष्णु सरपटा, भूमि शाखा प्रभारी अमन तुनगरिया, देवीलाल आदि मौजूद रहे।

दादाबाड़ी जैन नसिया जी से 1001 पौधों के महाअभियान का शुभारंभ, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

● अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान, कोटा द्वारा बुधवार को दादाबाड़ी जैन नसिया जी स्थित भगवान आदिनाथ के पावन प्रांगण में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था ने वर्ष 2026 में 1001 पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह अभियान वर्षभर विभिन्न स्थानों पर चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा। इस महाअभियान के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य सुनीता मड़िया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश मड़िया तथा उनके परिवार को प्राप्त हुआ। ग्रुप के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हुकुम काका (निर्देशक, दादाबाड़ी नसिया जी एवं अध्यक्ष, चांदखेड़ी–केथूली) ने वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में वृक्षारोपण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ–साथ उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ग्रुप की सचिव श्वेता जैन सेठिया ने किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए सभी सदस्यों को अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर दादाबाड़ी नसिया के अध्यक्ष जंबू जैन, रीजन अध्यक्ष अनिल थोरा, संस्थापक अध्यक्ष सुरेश हर्षोरा, समग्र बघेरवाल कोटा प्रांत के अध्यक्ष राजेन्द्र तातेड़िया, जे.के. जैन, उमेश अजमेरा, पीयूष अजमेरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि ग्रुप के सभी सदस्य हरित थीम की वेशभूषा में शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी सदस्यों ने वर्ष 2026 में कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का सामूहिक संकल्प भी लिया। अंत में श्वेता नवीन जैन ने सभी अतिथियों, पुण्यार्जक परिवार एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 1001 पौधों का यह महाअभियान समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण का सशक्त माध्यम बनेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करेगा।

सूरत में बारिस का कहर

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त कर दिया। लगातार हुई बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। सबसे चिंताजनक तस्वीरें शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल सहारा दरवाजा रेलवे अंडरपास से सामने आईं, जो भारी जलभराव के कारण तालाब में तब्दील हो गया। ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आई तस्वीरों ने प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई फीट तक पानी भर जाने के कारण अंडरपास से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। हालात ऐसे हो गए कि पैदल यात्रियों के लिए भी वहां से गुजरना संभव नहीं रहा। सहारा अंडरपास सूरत के प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाला अहम रास्ता है। इस मार्ग का इस्तेमाल रोजाना हजारों लोग करते हैं। टेक्सटाइल मार्केट में काम करने वाले कर्मचारियों और व्यापारियों के लिए यह सबसे अहम रास्तों में से एक माना जाता है। लेकिन मंगलवार की बारिश के बाद अंडरपास पूरी तरह पानी में डूब गया। लोगों के सामने घर पहुंचने का संकट खड़ा हो गया। लोग जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करने लगे। जब सहारा दरवाजा रेलवे अंडरपास का जायजा लेने मौके पर पहुंची तो महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे तक रेलवे ट्रैक को पार करते दिखे। इस तरह की आवाजाही किसी भी समय बड़े हादसे की वजह बन सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास में पानी भरने के बाद उनके पास कोई सुरक्षित विकल्प नहीं बचा था। मजबूरी में उन्हें रेलवे पटरी पार कर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। इस घटनाक्रम ने सूरत नगर निगम और रेलवे प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री कल्याण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय में ट्रांसफार्मेटिव टूयुजडे शिविर आयोजित

विजयपाल सैनी शाहपुरा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, के माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के माननीय अध्यक्ष के संयुक्त तत्वावधान में तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीना ने नगरपरिषद स्थित श्री कल्याण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय में ट्रांसफार्मेटिव टूयुजडे Legal liteeracy & Sensitisation Programme आयोजित किया। विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर छात्राओं ने मुख्य अतिथि सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीना का पुष्प वर्षा कर व तिलक लगाकर स्वागत किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से तालियों की करतल ध्वनियों से मुख्य अतिथि का अभिनन्दन किया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती की फोटो पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीना ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रोगाम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा एवं बालिकाओं ने मंत्रों उच्चारण से स्तवन किया।

प्रिंसिपल रूडमल कपुरिया, जुनियर लीगल लिटरेसी क्लब की अध्यक्ष ऋचा शर्मा, विधिक जागरूकता क्लब के प्रभारी सुरेन्द्र पलसानिया ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण से स्वागत किया। मुख्य वक्त्ता दिव्यांश मीना ने उपस्थित विद्यार्थियों को नशा से होने वाले दुष्परिणाम पर बताया कि जिसका विषय नशे को ना कहो, अपने सपनों को हॉ कहो, नशा कोई स्टाइल नहीं, अपने मन और भविष्य को शुरू करो विद्यार्थियों को किसी फिल्मी हीरो की तरह फिल्मी सीन की तरह नशे , बीड़ी सिगरेट शराब एवं ब्राउन शुगर, कोकीन इत्यादि के सेवन से बचना चाहिए, नशा एक मीठा जहर है,यह हमारे शरीर को अंदर से खोखला करता है। नशे का डायरेक्ट असर मस्तिष्क के स्मरण शक्त्ति को खत्म कर क्रोध को बढ़ावा देता है।

विद्यार्थियों का एक मात्र लक्ष्य है, विद्याध्ययन करना, और अपने माता–पिता के सपनों को साकार करना। जो अपने मेहनत की कमाई इस उद्देश्य से अपने बेटे बेटियों पर खर्च करते है कि मेरे बेटा पढ़–लिखकर एक संस्कारी सरकारी पदों पर नियुक्त होगा। आपकी छोटी सी गलती, किसी के द्वारा गलत संगत में पड़ कर अपने जीवन को नशा के इस्तेमाल से अयोग्य बनाना। एवं अपने माता–पिता के सालों से अपने स्वयं के खर्चों में कटौती कर अपने बच्चों के भविष्य के लिए उनकी हर आवश्यकता की पूर्ति करने पर भी बेटे बेटियों को नशा करते देख वे टुट जाते है। भारत सरकार ने जगह–जगह नशा मुक्ति केंद्र उन भूले भटके युवाओं को फिर से खुशियां देने के उद्देश्य से निशुल्क इलाज कर रहे है। हम स्वयं अपने आपको सुधारने का प्रयास करेंगे, तो हम अवश्य ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते है। सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीना ने बताया कि किसी नाबालिग लड़के–लड़कियों को किसी लालच द्वारा या डिप्रेशन से नशा कराना, एवं नशा के सेवन के लिए प्रेरणा देना एक अपराध है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा समय–समय पर मेडिकल की दवाइयों के माध्यम से ड्रग्स रैकेट चलाने वालों पर छापा डाला जा रहा है। हमारे शिक्षित बेरोजगार युवाओं में शार्टकट तरीको से धनवान बनने की सौच रखने वाले, पकड़े जाने पर अपने अपराधों की सजा काट रहे है। हमें कोई डिप्रेशन में डालकर नशा के कारोबार में सम्मिलित करने वालों की तत्काल पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090 पर सम्पर्क करें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 15100 पर सूचित करें। मुख्य अतिथि सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्यांश मीना ने इस अवसर पर विद्यार्थियों की किसी भी तरह की शिकायत, सुझाव के लिए कोर्ट वाली दीदी शिकायत पेटी का शुभारंभ किया और विद्यार्थियों को निर्भिकता से बिना दबाब में अपनी शिकायत डाल सकते है। आपकी शिकायत का निस्तारण एडीजे कोर्ट में पेटी सक्षम अधिकारियों के समक्ष खोली जायेंगी। आपकी शिकायत का समाधान होगा। इस अवसर पर विधिक सेवा प्रभारी राहुल भास्कर, अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा, फौजदारी लिपिक,अक्षय पारीक, सागर शर्मा, कालू राम भिंडा सहित विद्यालय के समस्त व्याख्याता सहित लाभार्थियों की संख्या 730 रही।

भारत से कैलाश पर्वत दर्शन के लिए करना होगा इंतजार

2 माह बाद जारी होंगे परमिट, व्यू पॉइंट पर हर दिन बदलता रहता है मौसम

पिथौरागढ़। तिब्बत स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के भारत से दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को अभी करीब दो महीने और इंतजार करना होगा। फिलहाल इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि सितंबर के आसपास परमिट शुरू होने पर आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले श्रद्धालु 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित ओल्ड लिपुलेख (ओल्ड लिपुपास) जाकर भारत की सीमा से कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। इस वर्ष यात्रा सीजन की शुरुआत में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ओल्ड लिपुलेख पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। बाद में खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से सेना ने इस क्षेत्र में आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी थी। प्रशासन और सेना के बीच वार्ता के बाद सीमित संख्या में पर्यटकों को अनुमति दी गई, लेकिन फिलहाल ILP बंद होने से सामान्य श्रद्धालु वहां नहीं जा पा रहे हैं।

ओल्ड लिपुलेख 17 हजार फीट ऊंचाई पर

ओल्ड लिपुलेख चीन सीमा पर समुद्र तल से करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह हाई एल्टीट्यूड क्षेत्र है, जहां हर दिन मौसम बदलता रहता है। बादल और घना कोहरा छाने पर कैलाश पर्वत दिखाई नहीं देता। ओल्ड लिपुलेख तक सड़क बन चुकी है, लेकिन अंतिम चोटी तक पहुंचने के लिए करीब 300 मीटर पैदल खड़ी चढ़ाई करनी पड़ती है। कई बार ऑक्सीजन की कमी और कठिन चढ़ाई के कारण वाहन बीच रास्ते में ही रुक जाते हैं, जिससे यात्रियों को करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

सभी श्रद्धालुओं को अनुमति देने की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और सेना समन्वय बनाकर सभी पात्र श्रद्धालुओं को ओल्ड लिपुलेख तक जाने की अनुमति दे, ताकि सीमांत क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। पिछले वर्ष आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले यात्रियों के लिए ओल्ड लिपुलेख से कैलाश दर्शन की व्यवस्था शुरू की गई थी। तब करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने इसका लाभ उठाया था। डीएम आशीष भटगांई ने बताया कि सेना से समन्वय के बाद श्रद्धालुओं को कैलाश दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। फिलहाल इनर लाइन परमिट जारी नहीं हो रहे हैं। परमिट शुरू होने के बाद आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले श्रद्धालु ओल्ड लिपुलेख से कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे।

इसलिए अहम है यह व्यू पॉइंट

ओल्ड लिपुलेख का यह व्यू पॉइंट इसलिए खास माना जा रहा है, क्योंकि यहां से श्रद्धालु भारत की सीमा के भीतर रहकर ही तिब्बत स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है और जैन, बौद्ध तथा बोन धर्म में भी इसका विशेष धार्मिक महत्व है। पारंपरिक कैलाश-मानसरोवर यात्रा में श्रद्धालुओं को तिब्बत जाकर कैलाश पर्वत की परिक्रमा और मानसरोवर झील के दर्शन करने पड़ते हैं। इसके लिए पासपोर्ट, वीजा और लंबी तथा महंगी यात्रा की जरूरत होती है। हालांकि, ओल्ड लिपुलेख से केवल कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं और श्रद्धालु मानसरोवर झील तक नहीं पहुंचते। इसके बावजूद यह व्यू पॉइंट धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां से श्रद्धालु बिना चीन गए, भारत की सीमा से ही कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। इसके लिए पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होगी। आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा के साथ कैलाश दर्शन भी संभव हो सकेंगे, जिससे कम समय और कम खर्च में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को शिवधाम के दर्शन का अवसर मिल सकेगा।

पहली बार 2023 में हुए थे कैलाश के दर्शन

3 अक्टूबर 2023 को पहली बार भारतीय सीमा से श्रद्धालुओं ने पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन किए थे। पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी स्थित ओल्ड लिपुलेख दर्रे से कैलाश पर्वत स्पष्ट दिखाई दिया था। इससे पहले भारत के श्रद्धालुओं के पास कैलाश दर्शन के लिए तिब्बत जाना ही एकमात्र विकल्प था। तब पहले जत्थे में पांच तीर्थयात्री शामिल थे, जो 2 अक्टूबर को गुंजी कैंप पहुंचे थे। यहां से दर्शन स्थल पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन किए, इस दौरान कई श्रद्धालु भावुक हो गए और उनकी आंखों में आंसू आ गए। दरअसल, इससे कुछ महीने पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग, सीमा सड़क संगठन और आईटीबीपी की संयुक्त टीम ने इस स्थान की पहचान की थी। इसके बाद उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया था।

कांग्रेस हाईकमान के कड़े रुख से चन्नी बैकफुट पर

नाराजगी के बीच पहली बातचीत; बघेल बोले- प्रधान नहीं बदलेगा, ये गुड्डे-गुड्डी का खेल नहीं

लुधियाना। पंजाब कांग्रेस में बागी तेवर दिखा रहे पूर्व सीएम व जालंधर सांसद चरणजीत चन्नी हाईकमान के कड़े रुख के आगे डरे बैकफुट पर नजर आए हैं। प्रधान राजा वजिंग के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद बुधवार को उन्होंने पहली बार एक मीडिया चैनल से बात की। कांग्रेस में उनकी नाराजगी को लेकर सवाल पर चन्नी ने कहा- 'मेरा मकसद कांग्रेस को आगे ले जाना है। बाकी इस मामले में कुछ नहीं कहेंगे। चन्नी ने आगे कहा-राहुल गांधी मेरे लीडर हैं और रहेंगे। सभी मसले जल्द ही सुलझा लिए जाएंगे। पार्टी जो रणनीति बनाएगी, उसी तरह आगे बढ़ेंगे। इससे पहले पंजाब के 5 दिन के दौरे पर आए AICC प्रभारी भूपेश बघेल ने पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और उनके समर्थकों को दोटूक कह दिया है कि प्रधान बदलना गुड्डे-गुड्डी का खेल नहीं है। हाईकमान अपना फैसला नहीं बदलेगा। राजा वडिंग को 23 जिला प्रधानों का समर्थन है। मीटिंग में जिला प्रधान अपनी सहमति दे चुके हैं। बघेल का ये तल्ख रवैया तब माना जा रहा है, जब चन्नी गुट ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हाईकमान को गुमराह किया। उन्हें गलत रिपोर्ट दी गई। हम राजा वजिंग की अगुआई में 2027 का चुनाव नहीं जीत सकते।

बाजवा बोले- टूट के बाद भी AAP 92 सीटें जीती

इसी बीच कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने भी तेवर दिखाते हुए कहा कि 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के 22 में से 10 विधायक अलग हो गए और उसके बाद भी वो चुनाव में 92 जीत गए। अगर सीनियर लीडर पीछे रह गए तो नए लोग आएंगे। लोगों ने जो मन बना लिया है उसके साथ ही रहेंगे। उन्होंने चन्नी गुट का नाम लिए बगैर कहा कि आठ दस दिन देख लें। अगर उनकी अपील रिजेक्ट हो गई तो फिर से बात कर सकते हैं।

प्रगट सिंह बोले- यह एक्सपेरिमेंट का टाइम नहीं

वहीं जालंधर कैंट के स्रूपरगट सिंह का कहना है कि अब पंजाब में एक्सपेरिमेंट का टाइम नहीं है। पंजाब की लड़ाई बहुत बड़ी है और इलेक्शन बहुत नजदीक हैं। फोटो सेशन के जरिए अपनी ताकत दिखाने का टाइम नहीं है। जो हमारी छोटी-छोटी प्रॉब्लम है उन्हें शॉर्टआउट कर देना चाहिए। फोटो सेशन के जरिए नॉरेटिव सेट किए जा रहे हैं।

अमेरिका के खुलासे के बाद होशियारपुर एसएचओ हटाया

अटॉर्नी जनरल ने कहा था- 4 लाख डॉलर फिरौती मांगी, लाइन हाजिर किया

जालंधर। होशियारपुर के पुलिस थाना टांडा के एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा को 4 लाख डॉलर की फिरौती केस में लाइन हाजिर कर दिया गया है। अमेरिका के अटॉर्नी जनरल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में नागरा का नाम लिया था। इसमें भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस और जग्गू भगवानपुरिया के खिलाफ अमेरिका में हत्या समेत कई मामलों में ट्रायल की बात कही गई। इसके बाद बुधवार को जालंधर रेंज के DIG नवीन ने एसएचओ को लाइन हाजिर करने का आदेश जारी किया। वहीं, गुरिंदरजीत सिंह ने कहा कि उनके नाम से अमेरिका से वीडियो वायरल हो रहा है। उनको इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। एजेंसी से बात करने के बाद ही कुछ कह पाएंगे। उनके किसी खाते में कभी कोई पैसा नहीं आया। ये आरोप निराधार हैं। अमेरिका के अटॉर्नी का वीडियो सामने आने के बाद पंजाब में मामला गरमा गया है। अकाली नेता बिक्रम मजीठिया, कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने ङ्क पर पोस्ट कर भ्रष्ट पुलिस मुलाजिमों को लेकर आप की मान सरकार को घेरा है। नागरा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू- डीआईजी जालंधर रेंज दफ्तर की तरफ से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि पंजाब पुलिस ने मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ा संज्ञान लेते हुए होशियारपुर जिले के टांडा थाने में तैनात इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है।

वसूली केस में नाम आने का दावा: सामने आई रिपोर्टों के अनुसार अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत वसूली से संबंधित मामले की जांच की जा रही है, जिसमें कथित तौर पर इंस्पेक्टर नागरा का नाम शामिल होने की बात कही गई है।

गेस्ट हाउस में बदलेगा पूर्व सीएम केजरीवाल का बंगला

दिल्ली सरकार जल्द मंजूरी देगी, मंत्री-अधिकारी ठहरेंगे; भाजपा ने शीश महल नाम दिया था

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे सिविल लाइंस स्थित फ्लैगस्टाफ रोड के बंगले को राज्य सरकार स्टेट गेस्ट हाउस में बदलने की तैयारी कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर सरकार अंतिम फैसला लेने के करीब है। बंगला नंबर-6 को अन्य राज्य अतिथि गृहों की तरह विकसित किया जाएगा। यहां बाहर से आने वाले मंत्री और सरकारी अधिकारी ठहरेंगे। इसके लिए शुल्क भी लिया जाएगा। प्रस्ताव में पार्किंग, वेटिंग हॉल और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित करने की योजना है। हालांकि, इस प्रस्ताव को अभी हायर लेवल से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

फिलहाल खाली है बंगला, देखरेख में 10 कर्मचारी लगे

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री का यह आवास फिलहाल खाली पड़ा है। इसके रखरखाव के लिए करीब 10 कर्मचारी तैनात हैं, जो रोजाना साफ-सफाई के साथ रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर समेत अन्य उपकरणों का रखरखाव करते हैं। केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते इस बंगले के नवीनीकरण को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। भाजपा ने इसके महंगे और आलीशान रेनोवेशन को लेकर इसे शीशमहल नाम दिया था। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ कि रिनोवेशन पर तय अनुमान से करीब 342त्न ज्यादा खर्च किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में इस काम की अनुमानित लागत करीब 7.91 करोड़ रुपए थी, लेकिन अंतिम खर्च बढ़कर 33.66 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसमें से लगभग 18.88 करोड़ रुपए महंगे इंटीरियर, सजावटी और एंटीक सामान पर खर्च किए गए।

2022 से चल रही केजरीवाल के बंगले पर खर्च की जांच

2022 में तत्कालीन उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने बंगले के रेनोवेशन अनियमितताओं और लागत बढ़ने के आरोपों की जांच शुरू की थी। फिलहाल इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो कर रही है। यह जांच तत्कालीन विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता की शिकायत के आधार पर शुरू हुई थी, जिसमें रेनोवेशन में अनियमितताओं का आरोप लगाया था।

लॉरेंस पर यूएसए में मर्डर केस, एफबीआई अमेरिका ले जाएगी

गोल्डी बराड़ पर 50 हजार डॉलर इनाम, दावा- दोनों ने कनाडा में निज्जर की हत्या कराई

जालंधर। कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर अमेरिका ने पहली बार चार्जशीट दाखिल की है। इसमें दावा है कि हत्या का आदेश भारतीय जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई और फरार चल रहे गोल्डी बराड़ ने दिया था। अमेरिकी सरकार के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई भारतीय जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क चला रहा था। वह जेल में तस्करी से पहुंचाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट कॉलिंग डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों का निर्देश देता था। अमेरिका लॉरेंस समेत कई भारतीय अपराधियों के नेटवर्क पर कार्रवाई करने के लिए ऑपरेशन हार्ड बॉल चला रहा है। इसी के तहत 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 37 लोगों के खिलाफ अमेरिकी फेडरल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई। रिपोर्ट में भारतीय जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया, सुखराज सिंह कंग समेत कई नाम हैं। अमेरिकी एजेंसियां 10 फरार आरोपियों की तलाश कर रही हैं। इसके साथ ही गोल्डी बराड़ पर 50 लाख का इनाम रखा है।

(पंजाब)

स्थिति: साबरमती जेल, गुजरात में बंद।

पहचान: जेल से अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट चलाने का आरोपी।

अमेरिकी आरोप: ड्रग तस्करी, रंगदारी, टारगेट किलिंग और हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड की साजिश।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक अमेरिका इनमें से भारतीय जेल में बंद सभी अपराधियों के प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है।

आरोप सिर्फ अपराधियों पर, सरकार का जिक्र नहीं

पूरे अमेरिकी आरोप पत्र और प्रेस रिलीज में भारत सरकार, **RAW, NIA** या किसी भारतीय सरकारी अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। आरोप केवल कथित आपराधिक गिरोहों और उनके सदस्यों पर हैं।

ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत 37 पर आरोप, 24 गिरफ्तार

अमेरिका, कनाडा और यूरोप ने संयुक्त अभियान ऑपरेशन हार्ड बॉल चलाकर भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की। इसमें 37 लोगों पर आरोप लगाए गए और 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बिश्नोई पर जेल से गैंग चलाने का आरोप

अमेरिकी आरोपपत्र के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई भारत की जेल में रहते हुए मोबाइल और इंटरनेट कॉलिंग डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे अपराधों का संचालन करता था।

निज्जर हत्या का आदेश देने का आरोप

अमेरिकी न्याय विभाग का आरोप है कि 18 जून 2023 को कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ ने दिया था।

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे:बोले- हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला; पीएम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए

जकार्ता। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे। उन्हें पांच इंडोनेशियाई फाइटर जेट ने एस्कॉर्ट किया।

मां के लिव-इन-पार्टनर की बेटे ने की हत्या, मृतक चिल्लाता रहा- मैंने कुछ नहीं किया, गुजरात के राजकोट की घटना

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर शहर में मां के 12 साल पुराने लिव-इन रिश्ते से नाराज बेटे ने बीच सड़क पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर व्यक्ति की हत्या कर दी। आरोपी ने दौड़ाकर मृतक के शरीर पर चाकू के 6 वार किए। इस दौरान मृतक मदद की गुहार लगाकर चिल्लाता रहा कि मैंने कुछ नहीं किया है, लेकिन आरोपी उस पर चाकुओं के वार करता गया। आरोपी उसे घायल हालत में छोड़कर फरार हो गया था, जिसे मंगलवार की देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मजदूरी करता था मृतक

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक कमलेश वाघेला पेशे से मजदूर था और इसी इलाके में रहता था। वह आरोपी की मां के साथ पिछले 12 सालों से लिव-इन रिलेशन में था। वायरल सीसीटीवी फुटेज के ऑडियो में सुनाई देता है कि घायल कमलेश वाघेला आसपास मौजूद लोगों से अपनी

जान बचाने की गुहार लगा रहा है. साथ ही वह आरोपी जयंत वाघेला से भी रहम की अपील करता दिखाई देता है। कमलेश कहता है-मैंने किसी का कुछ नहीं किया है। वहीं, जवाब में जयंत कहता है- मैंने तुम्हें मना किया था कि नहीं। सीसीटीवी फुटेज में जयंत के साथ एक अन्य व्यक्ति भी दिखाई दे रहा है। वह व्यक्ति कौन है, इसे लेकर भी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मां के साथ रहना पसंद नहीं था

पुलिस की पूछताछ में जयन वाघेला ने बताया कि उसे कमलेशभाई वाघेला का उसकी मां के साथ रहना पसंद नहीं था। वह पहले भी कई बार उसे समझाइश दे चुका था कि वह उसकी मां से मिलने घर न आया करे। लेकिन वाघेला इसके बाद भी हर कभी उसके घर आ जाया करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कमलेश और आरोपी की मां नीता पिछले 12 साल से लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे। इस दौरान मृतक कमलेश वाघेला ने नीता की बेटी की भी शादी करवाई थी। वहीं, नीता के अन्य दो बेटे राजकोट के कोठारिया इलाके में रहते हैं। इन्हीं में से एक जयंत ने कमलेश की हत्या की।

नाटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर खत्म: अमेरिका ने 80 ठिकानों पर हमले किए

होर्मुज में जहाजों पर ईरानी हमले के बाद एक्शन

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा, हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने स्को पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया था कि उसने ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिका के मुताबिक, यह कार्रवाई होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

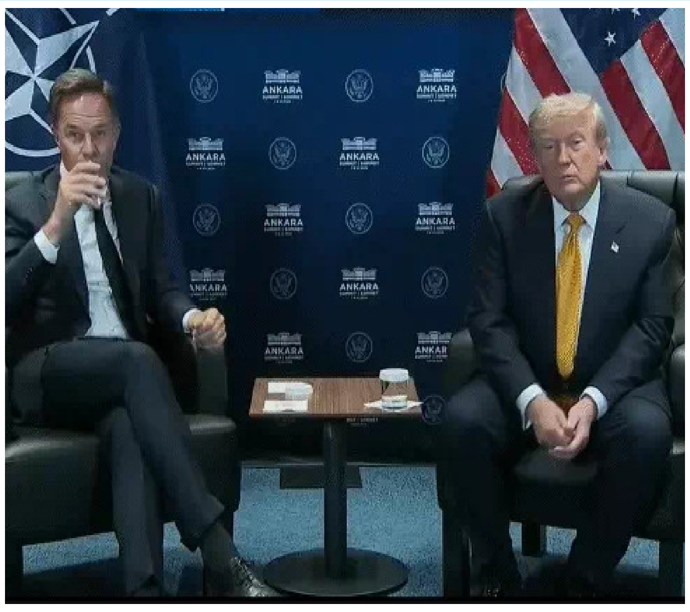

ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया: खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया, जिसमें एक टैंकर कतर का था। ईरान ने चेतावनी दी कि हमारी तरफ से तय रुट इस्तेमाल नहीं होने पर सुरक्षा की गारंटी नहीं रहेगी।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी: तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

ओमान ने बहरीन, कुवैत और होर्मुज में हमलों की निंदा की

ओमान ने बहरीन, कुवैत और होर्मुज स्ट्रेट में सऊदी अरब और कतर के दो कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। ओमान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह बहरीन और कुवैत के साथ खड़ा है। क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव हमारी सुरक्षा के साथ-साथ दुनिया के व्यापार और तेल आपूर्ति के लिए भी खतरा है। ओमान ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव नहीं बढ़ाने और फिर से बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की।

खामेनेई के ताबूत को लोगों ने हाथों में उठाया

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक में लोग हाथों पर उठाकर ले जा रहे हैं। उन्हें नजफ में इमाम अली की दरगाह परिसर में मौजूद नमाज स्थल तक ले जाया गया है।

यूपी में रिटायर्ड आरटीओ के घर 13किलो सोना, 9किलो चांदी मिला

विजिलेंस के छापे में हीरे भी मिले; दीवारों-पैकटों में छिपाया था 1.62 करोड़ कैश

लखनऊ। यूपी में रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के लखनऊ स्थित घर पर विजिलेंस ने छापा मारा। करीब 26 घंटे चली छापेमारी में ललित कुमार के लखनऊ आवास से 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे के आभूषण बरामद किए हैं। जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपए आंकी गई है। तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए कैश भी मिला, जो उसने पैकेटों में दीवार और अलग-अलग कमरों में छिपाकर रखे थे। 15 जगहों पर मकान, फ्लैट और खेती की जमीनों के दस्तावेज भी मिले हैं। विजिलेंस ने बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपए बताई है।

आगरा में तैनाती के समय केस दर्ज हुआ था

आरोपी ललित कुमार मूल रूप से रायबरेली में सेंगहो कोठी के रहने वाले है। विजिलेंस विभाग के अनुसार, ललित कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 2024 में मामला दर्ज किया गया था। उस वक्त वह आगरा के ARTO थे। वर्तमान में ललित कुमार लखनऊ के अलीगंज में चंद्रलोक कॉलोनी स्थित सी-143 आवास में रहते हैं। 7 जुलाई को कोर्ट से वारंट लेकर विजिलेंस टीम दोपहर 12 बजे ललित कुमार के आवास पहुंची। आवास के चप्पे-चप्पे को खंगाला गया। इस दौरान टीम को घर के अलग-अलग हिस्सों में पैकेट बनाकर छिपाए गए करीब 1 करोड़ 62 लाख रुपए नकद बरामद हुए।

20 करोड़ के सोना-चांदी और गहने: 13 किलो सोना और करीब 9 किलो चांदी बरामद हुई, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 20 करोड़ रुपए आंकी गई है। लखनऊ, नोएडा और बाराबंकी में करोड़ों की संपत्तियां- लखनऊ के अलीगंज, वृंदावन योजना, इस्माइलगंज, मोहनलालगंज और बालकगंज समेत कई इलाकों में मकान, प्लॉट और कृषि भूमि के दस्तावेज मिले। इसके अलावा नोएडा में दो फ्लैट की बुकिंग और बाराबंकी व रायबरेली में भी जमीन के कागजात बरामद हुए। इन अचल संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 13 करोड़ रुपए बताई गई है।

कारें, रिवॉल्वर, एक करोड़ से ज्यादा का निवेश मिला: टोयोटा इनोवा और हुंडई टी20 कार, एक रिवॉल्वर तथा बैंक, पोस्ट ऑफिस, म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट में एक करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के दस्तावेज भी मिले हैं। घर की साज-सज्जा और महंगे घरेलू सामान पर भी भारी खर्च किए जाने के सबूत मिले हैं।

पुणे में इमारत पर कचरे का पहाड़ गिरा, 16 दबे

खंडाला लैंडस्लाइड में गार्ड की मौत, सूरत में बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

भोपाल/जयपुर/पटना/अहमदाबाद/मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को भारी बारिश से कचरे का पहाड़ 3 मंजिला बिल्डिंग पर गिर गया। इससे इमारत ढह गई। 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। न्यूज एजेंसी ने बताया कि पुणे के पिंपरी-चिंचवाड़ में कचरे का पहाड़ जैसा ढेर था, यह वहां मौजूद कचरा प्रबंधन की बिल्डिंग पर गिर पड़ा। वहीं पुणे के खंडाला में तेज बारिश के बीच लैंडस्लाइड से सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी अब भी लापता है। इधर, गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 11 से 19 इंच तक बारिश हुई। यहां जुलाई 1941 में दर्ज हुई 18 इंच बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। शहर में बाढ़ आ गई, शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई। करंट लगने, पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की जान चली गई। 3400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में मंगलवार शाम पांच मंजिला इमारत ढह गई। राजस्थान के जालोर में एक जीप नदी में पलट गई। चित्तौड़गढ़ में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली-जयपुर हाइवे धंसा, गुरुग्राम में 10किमी लंबा जाम

भारी बारिश के चलते दिल्ली-जयपुर एनएच-48 धंस गया है, जिसके कारण 10 किमी लंबा जाम लगा गया। एक स्कूल बस भी नाले में फंस गई। इधर, गुरुग्राम के कई इलाकों में दो-दो फीट पानी भर गया। पुलिस ने कंपनियों से अगले कुछ दिनों तक कर्मचारियों को वर्क फॉम होम देने की अपील की है।

अरुणाचल में बाढ़-लैंडस्लाइड से 94 हजार लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड ने 26 जिलों के 94 हजार से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। 4 लोगों की मौत हुई है, 21 घायल हैं और 2 महिलाएं लापता हैं। इधर, कर्नाटक के बेलगावी और शिवमोगा में आज स्कूल और आंगनवाड़ी बंद रहेंगे।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

पुलिस बोली- राइफल छीनकर भाग रहा था; तालाब से मिला था नाबालिग का शव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है। प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा। संध्या मंडल ने यह भी आरोप लगाया कि उनका बेटा लंबे समय से नशे का आदी था और कभी उनकी बात नहीं मानता था। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की, जिसमें चार लोग लड़की को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दिए थे।

राम मंदिर चोरी-पुलिस को चंदे की फर्जी रसीद बुक मिली

आरोपियों ने पैसे ऐंठने की बात कबूली, गोपाल राव का दावा- ट्रस्ट से नहीं हटाया गया

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपियों से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की पुरानी फर्जी रसीद बुक मिली है। यह रसीद हूबहू असली की तरह दिखती है। इस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो बना है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि वे फर्जी रसीद काटकर चंदा देने वालों से पैसे भी ऐंठ लेते थे। शुरुआत में टिन्नू यादव, लवकुश, करुणेश, अनुकल्प समेत अन्य आरोपी जब कोई मंदिर में दान देने की इच्छा जताता था, तो उसे रसीद के तौर पर यह फर्जी रसीद दे देते थे, ताकि किसी को शक न हो। अब नई व्यवस्था के तहत रसीद ऑनलाइन मिलती है, इसलिए इन लोगों ने इन रसीदों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था।

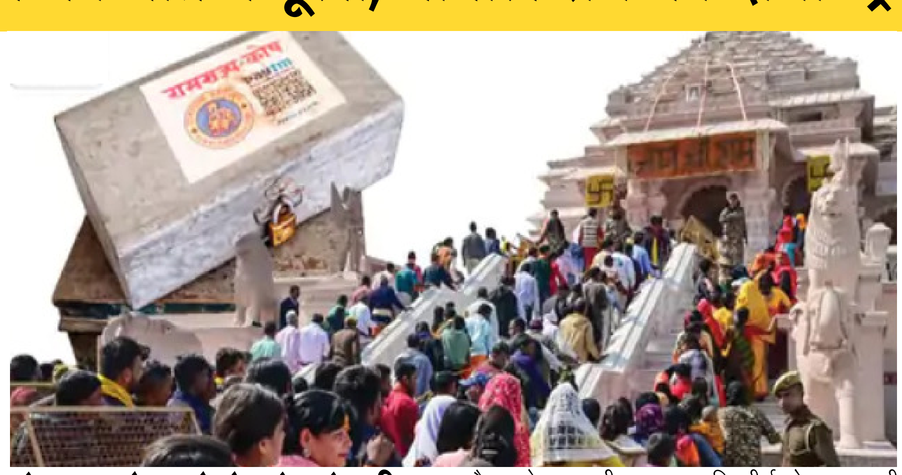

गोपाल राव ने ट्रस्ट के प्रेस नोट को खारिज किया, बोले- हटाने की बात गलत

ट्रस्ट से हटाए गए गोपाल राव ने दावा किया है कि वह अभी भी ट्रस्टी हैं। उन्हें हटाया नहीं गया है। हटाने की खबरें गलत संदेश है। जबकि सोमवार को ट्रस्ट की बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जारी किए गए प्रेस नोट में लिखा गया है कि विशिष्ट आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया है। गोपाल राव का वास्तविक नाम गोपाल नगरकोटे हैं, इसी नाम से उन्हें ट्रस्ट में विशिष्ट आमंत्रित सदस्य बनाया गया था।

सर्राफा कारोबारी और एक बिल्डिंग मटेरियल कारोबारी के घर भी दबिश

पुलिस टीम बुधवार सुबह 7-36 बजे फैजाबाद जेल पहुंची। तीनों आरोपियों को पुलिस लाइन लेकर गई। तब से उनसे पूछताछ जारी है। **SIT** रिपोर्ट के अनुसार, तीनों आरोपी सीसीटीवी फुटेज में नोटों को जेब में रखते हुए नजर आए थे। अयोध्या पुलिस ने मिल्कीपुर क्षेत्र में भी छापेमारी की। पुलिस ने आरोपी अनुकल्प मिश्रा के चाचा के साथ इनायतनगर के एक के यहां भी दबिश दी। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों ने जो प्रॉपर्टी या सामान खरीदा था, उसका भुगतान ऑनलाइन किया था या नकद। **SIT** ने अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू कर दी है। **SIT** 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और 25 नवंबर 2025 के ध्वजारोहण के बिल और वाउचर खंगाल रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक, प्राण-प्रतिष्ठा पर 113 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसमें 8 हजार मेहमान आए थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।